निबन्ध (ESSAY)

DTVF/17–ESY-E1

निर्धारित समय: तीन घंटे *Time allowed: Three Hours*	*अधिकतम अंक: 250* *Maximum Marks: 250*

नाम (Name): Sakshi Garg

क्या आप इस बार मुख्य परीक्षा दे रहे हैं? हाँ [ ] नहीं [ ]

मोबाइल नं. (Mobile No.): _____

ई-मेल पता (E-mail address): _____

टेस्ट नं. एव दिनांक (Test No. & Date): 23/07/2017

रोल नं. [यू.पी.एस.सी. (प्रा.) परीक्षा-2017] [Roll.No. UPSC (Pre) Exam-2017]:

परीक्षा का माध्यम (Medium of Exam.): हिन्दी

विद्यार्थी के हस्ताक्षर (Student's Signature): Sakshi

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पहले निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को कृपया ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबन्ध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू० सी० ए०) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों को अंक नहीं दिये जाएँगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट किए गए शब्द-संख्या के अनुसार होना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णत: काट दीजिए।

135 सराहनीय प्रयास है

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

खण्ड A और B में प्रत्येक से एक-एक चुनकर, दो निबन्ध लिखिये जो प्रत्येक लगभग 1000–1200 शब्दों में हो:

Write TWO Essays, choosing ONE from each of the Sections A and B, in about 1000–1200 words each: 125×2=250

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

खण्ड–A / SECTION –A

1. प्रत्येक असफलता में एक अवसर छिपा होता है।
   There is an inherent opportunity in every failure.
2. अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता: एक मूल अधिकार जिसका सबसे ज़्यादा दमन तथा दुरुपयोग हुआ।
   Freedom of expression: Most suppressed and most misused fundamental right.
3. 'समृद्ध राष्ट्र' हेतु 'स्वस्थ राष्ट्र' एक पूर्व शर्त है।
   A 'healthy nation' is a prerequisite for 'wealthy nation'.
4. "देशभक्ति मेरा आखिरी आध्यात्मिक सहारा नहीं बन सकती, मेरा आश्रय मानवता है। मैं हीरे के दाम में ग्लास नहीं खरीदूंगा और जब तक मैं जिंदा हूँ मानवता के ऊपर देशभक्ति की जीत नहीं होने दूंगा।" कट्टर राष्ट्रवाद पर व्यक्त रविन्द्रनाथ टैगोर के उपरोक्त विचारों की समकालीन प्रासंगिकता पर समालोचनात्मक टिप्पणी कीजिये।
   "Patriotism cannot be my final spiritual shelter; my refuge is humanity. I will not buy glass for the price of diamonds, and I will never allow patriotism to triumph over humanity as long as I live." Critically comment on the contemporary relevance of Rabindranath's above views on radical nationalism.

4. "देशभक्ति मेरा आखिरी आध्यात्मिक सहारा नहीं बन सकती, मेरा आश्रय मानवता हैं। मैं हीरे के दाम में ------- टिप्पणी कीजिए।"

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

किसी भू-भाग व सरकार को मिलाकर राष्ट्र का निर्माण होता है, और जब यह राष्ट्र ही सबकुछ हो जाए तो यही अमूर्त उग्र भावना राष्ट्रवाद कहलाती है। संक्षेप में कहें तो — "मैं और मेरा देश" की भावना की राष्ट्रवाद है। इसे दो प्रकारों में बांटा जा सकता है-

पहला - जब अपने राष्ट्र के हित ही सबकुछ हो, राष्ट्रहित की प्राप्ति के लिए प्राण न्यौछावर तक करने की तत्परता हो।

और दूसरा - जब अपने राष्ट्र के हित दूसरे राष्ट्र के हितों के विरुद्ध हो जाए, जहां मानवता, मानव कल्याण जैसे मुद्दे गौण हो जाए और राष्ट्रवादी प्राण लेने तक को न्यौछावर हो जाए अर्थात् अंधराष्ट्रवाद

रवीन्द्रनाथ टैगोर ने इस प्रकार की देशभक्ति को संकुचित दृष्टि से देखा है, अर्थात् यह एक सीमित मानसिकता को प्रदर्शित करती है। टैगोर जी के अनुसार "**सम्पूर्ण पृथ्वी एक है**, इसे सीमाओं में बांधा नहीं जा सकता और मानवता, किसी व्यक्ति का हित, अहित, दया, करुणा की संवेदनाएं सीमोल्लंघन से कहीं ऊपर होती है।"

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

आज दशकों बाद वैश्विक स्तर पर हो रही उथल-पुथल के कारण टैगोर का कथन पुनः विश्लेषण का विषय बन गया है। जहां मध्यपूर्व, सीरिया जैसे देशों में राष्ट्रवाद के नाम पर आतंकवाद को बढ़ावा दिया जा रहा है, बड़े स्तर पर नरसंहार, बलात्कार, शरणार्थी समस्या उत्पन्न हो रही है तो वहीं यूरोप के देश अपने नस्लीय श्रेष्ठता, संसाधनों की बचत के नाम पर सीमाओं पर फेंसिंग कर रहे हैं, जर्मनी द्वारा बनायी गयी दीवार तो सत्यतः ऐसी प्रतीत हो रही है, जैसे किसी ने मानवता पर पर्दा डाल दिया हो।

अमेरिका द्वारा उग्र, अंधराष्ट्रवाद से अभिभूत होकर पेरिस सम्मेलन जैसे मानवतामयी समझौते से वापसी की घोषणा कर ली गयी। सीमा पर जन्म, नस्ल, धर्म, जाति, रंग के आधार पर आवागमन निषिद्ध कर दिया गया। देश के कोने-कोने में राष्ट्रवाद की आड़ में पर्यटकों, यात्रियों के साथ अमानवीय व्यवहार किया जा रहा है।

वर्तमान में हो रही इन घटनाओं के कारण यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है — "राष्ट्रवाद बड़ा है या मानवता।"

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

इसके उत्तर हेतु ~~यदि~~ राष्ट्रवाद के पक्ष-विपक्ष में पर्याप्त विश्लेषण करने की आवश्यकता है।

वस्तुतः राष्ट्रवाद की भावना से देश में एकता-अखंडता की भावना को बल प्रदान होता है 'हम एक हैं' की भावना पनपती है, और इस भावना में इतना बल होता है कि यह किसी भी ताकतवर विदेशी गुलामी को ~~ध्वस्त~~ कर देती है, अर्थात् यही राष्ट्रवाद है जिसके कारण सम्प्रभुता प्राप्त की जाती है। परन्तु अतीत में छुपी घटनाओं के सन्दर्भ में देखें तो इस भावना के दुष्प्रभाव प्रकट हुए हैं, जिसमें देश किसी एक महाद्वीप को नहीं अपितु पूरे विश्व को झेलना पड़ा।

राष्ट्रवाद के कारण ही अपने देश का विस्तार करने की भावना को बल मिला, और इसी की सन्तान के रूप में ~~स्थापित हुयी~~ उपनिवेशवाद व साम्राज्यवाद। इस मन्तव्य ने अफ्रीका महाद्वीप का बंदरबांट किया, वहां के निवासियों के साथ पशुओं जैसा व्यवहार किया, इसी मन्तव्य ने भारत जैसे ~~आत्मनिर्भर~~, सम्पन्न, खुशहाल देश को गुलाम बनाया और अनान

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

महामारी, भुखमरी, आत्महत्या, कुपोषण जैसी आपदाओं के हवाले कर दिया।

राष्ट्रवाद की भावना से प्रेरित मेजिनी ने पुलिस नीति का अनुकरण किया, नेपोलियन द्वारा एक फ्रांस की भावना के अन्तर्गत ही यूरोपीय राजनीति को जटिल बना दिया गया। इसके आगे राष्ट्रवाद ने ही ~~हिटलर, मुसोलिनी~~ ~~जैसे~~ बिस्मार्क को प्रेरित किया और उसने सम्पूर्ण यूरोप को शतरंज के गोटियों की तरह अस्त-व्यस्त कर दिया।

इसी से हिटलर-मुसोलिनी जैसे कट्टरपंथियों का जन्म हुआ और ~~एक~~ नाजीवाद, फासीवाद की आड़ में सम्पूर्ण विश्व को प्रथम व द्वितीय विश्व युद्ध की भयावहता में धकेल दिया। इन युद्धों में लाखों-लाख सैनिकों की मौत हुयी, महिलाएं विधवा हो गयीं, बच्चों तक को मार दिया गया, अर्थात् यह मानवता की हत्या का चरम था।

आगे सोवियत संघ व अमेरिका द्वारा साम्यवाद व पूंजीवाद विचारधारा के आधार पर सम्पूर्ण विश्व को दो गुटों में बांटा। शस्त्रीकरण

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

की होड़ लगा दी। संपूर्ण राजस्व सैन्य सामाग्री में खर्च होने के कारण आम जनता बेरोजगारी, भुखमरी, कुपोषण, अकाल, आत्महत्या की शिकार होने लगी, साथ ही पूरा विश्व जैसे बड़े विनाश के डर में पल-पल दम तोड़ रहा था।

इन घटनाओं की प्रतिलिपि वर्तमान में सीरिया:आतंकवाद, नरसंहार, यूरोपियों द्वारा शरणार्थी प्रवेश निषेध, ब्रेक्जिट, पेरिस सम्मेलन की अवहेलना, ~~परमाणु~~ उत्तर कोरिया द्वारा लगातार परमाणु बम परीक्षण के रूप में देखी जा सकती है। इसके साथ ही पूरे विश्व के सामने यह प्रश्न खड़ा करती है - "जहां से राष्ट्रवाद शुरू होता है वहीं से मानवता समाप्त हो जाती है।"

यद्यपि हर सिक्के के दो पहलू होते हैं, राष्ट्रवाद का भी उजला पक्ष है। कहा जाता है "राष्ट्रवाद ने ही साम्राज्यवाद, उपनिवेशवाद को जन्म दिया और राष्ट्रवाद ने ही इनका अन्त किया।"

देशभक्ति की भावना ने सम्पूर्ण गुलाम देशों में चिंगारी भर दी, जिसमें जन-जन सिपाही बन गया और भारत

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

अफ्रीका, दक्षिण पूर्वी देश स्वतन्त्र हो गए। यही राष्ट्रवाद की भावना है जो सैनिकों को कठिन से कठिन परिस्थिति में भी देश की सुरक्षा करने को प्रेरित करती है। राष्ट्रवाद के कारण ही देश के विकास को बल मिलता है।

अर्थात् कहा जा सकता है राष्ट्रवाद बुरा नहीं है, परन्तु ऐसा राष्ट्रवाद घातक है। राष्ट्रवाद और मानवता में कोई तुलनीय संबंध नहीं है। मानवता सर्वोपरि है।

टैगोर जी की टिप्पणी आज दशकों बाद भी विश्व स्तर पर विद्यमान जटिल समस्याओं का समाधान प्रस्तुत करती है। आज सम्पूर्ण विश्व को मानवता के मूल्य को समझते हुए शरणार्थी समस्या का समाधान करना चाहिए, जलवायु परिवर्तन जैसी गंभीर समस्या का निराकरण करना चाहिए। मानवता का कोई विकल्प नहीं है, इसको ~~समाधान~~ राष्ट्र की सीमाओं में बांधकर नहीं रखा जा सकता।

भारत की प्राचीन सम्पन्न, गौरवमयी ~~भी~~ संस्कृति भी वसुदैव कुटुम्बकम् की सीख देती है,

भारत की आंतरिक परिस्थितियों का भी उल्लेख कर सकते हैं: जैसे गौरक्षा पर चला रहा विवाद

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अर्थात् सम्पूर्ण पृथ्वी हमारी माता है, हमें सदैव इसके कल्याण हेतु तत्पर रहना चाहिए।

पक्ष- विपक्ष पर विश्लेषण कर ~~प्रत्यक्ष~~ स्पष्टतः कहा जा सकता है राष्ट्रवाद एक सीमा तक होना उचित है, परन्तु जब राष्ट्रवाद किसी के प्राणों पर हावी हो जाए, मानव कल्याण पर हावी हो जाए तो यह राष्ट्रवाद नहीं अंधराष्ट्रवाद होता है। और ~~अंधवाद~~ स अंधराष्ट्रवाद मात्र सामने वाले को ही नहीं अपितु स्वयं को भी नुकसान पहुंचाता है।

आज वैश्वीकरण के युग में यह बहुत ही आवश्यक है कि हम राष्ट्रवाद व मानवता के अन्तर को समझे, सम्पूर्ण विश्व इस परिप्रेक्ष्य में भारतवर्ष को आदर्शप्रतिमान के रूप में ले सकता है। भारत ने मात्र प्राचीन काल में ही वसुधैवकुटुम्बकम् का नारा नहीं दिया अपितु वर्तमान समय में भी अपने संस्कारों का भली-भांति अनुकरण कर रहा है।

आजादी बाद शरणार्थी समस्या समाधान, अफ्रीका जैसे गुलाम देशों की स्वतन्त्रता की पैरोकारी,

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

गुटनिरपेक्षता आन्दोलन, पंचशील समझौता, कांगो, स्वेज नहर मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र की मदद, फिलीस्तीन का समर्थन, आतंकवाद का विरोध, नेपाल में भूकंप सहायता, ऑपरेशन राहत, अफ्रीका को सस्ती दर पर जेनेरिक दवाओं की आपूर्ति आदि के माध्यम से भारत ने सदैव मानवतावाद को प्रदर्शित किया है.

यह पूरे विश्व के लिए प्रत्यक्ष उदाहरण है. सम्पूर्ण वैश्विक समुदाय को इस आदर्श का पालन करना चाहिए, जिससे सम्पूर्ण विश्व में शान्ति, समृद्धि, खुशहाली, सम्पन्नता, समावेशिता को वास्तविक धरातल पर चरितार्थ किया जा सकेगा।

"Injustice anywhere is threat to justice every-where" अर्थात् "सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय।"

अच्छा प्रयास है।

70

भाषा से और प्रभावशाली बनाए जाने की आवश्यकता है विशेषतौर पर निष्कर्ष में।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

खण्ड–B / SECTION –B

1. पर्यावरणीय सरोकार: अंतर्राष्ट्रीय राजनीति का नवीन प्रेरक बल।
   Environmental concern: The new driving force of International politics.
2. एक दिशाहीन छात्र आंदोलन समाज के लिये खतरा है।
   A directionless student movement is threat to society.
3. न्यायिक जवाबदेही: न्याय सुनिश्चित करने हेतु एक अत्यावश्यक साधन।
   Judicial Accountability: A much needed tool to ensure justice.
4. 2022 तक किसानों की आय दुगुना करना: एक सपना या हकीकत।
   Doubling the farmers income by 2022: A myth or reality.

4. 2022 तक किसानों की आय दुगुना करना : एक सपना या हकीकत

कल मैंने टी.वी. खोली, न्यूज चैनल पर चर्चा परिचर्चा का केन्द्र बिन्दु था—'किसान'। मध्य प्रदेश में कई किसानों ने आत्महत्या कर ली थी। मध्यप्रदेश में किसान ऋण माफी हेतु आन्दोलन पर थे, उत्तर प्रदेश सरकार को कृषक ऋण माफी के सम्बंध में घेरा जा रहा था..... यहां तक कि संसद में भी वाद विवाद का बिन्दु था- 'किसान दुर्दशा'।

यह देखकर मेरे मन में विचार आया. आखिर सम्पूर्ण देश का पेट भरने वाला कृषक आज बेचारा क्यों कहलाता है, वह स्वयं अपना पेट भरने में क्यों असमर्थ है? क्या सरकार इनके लिए

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

कुछ करती नही..... तभी मेरे एक मित्र ने व्यंग्य किया.... सरकार 2022 तक इन किसानों की आय दोगुनी कर देगी।

उसका व्यंग्य सुनकर मुझे भी लगा कि यह एक सपना मात्र है या फिर वास्तव में इसे हकीकत में बदला जा सकता है। उपरोक्त प्रश्न का उत्तर देने हेतु क्रमवार विश्लेषण की आवश्यकता है, वस्तुतः सबसे पहले यह जानना जरूरी है कि कृषक भाइयों की समस्याएं क्या क्या हैं-

इसे हम स्पष्टता हेतु तीन भागों में बांट सकते हैं —

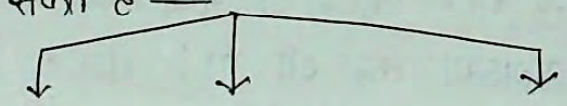

1. खेती शुरू करने से पूर्व समस्या
2. खेती के दौरान समस्या
3. खेती के उपरान्त अर्थात् फसल कटाई के बाद समस्या

1. खेती के पूर्व समस्याओं को देखें, तो सबसे बड़ी चिन्ता का कारण है छोटी जोतों का आकार। हमारे देश में 80% किसान 1.5 हेक्टेयर से भी कम भूमि पर खेती करते हैं, इसके कारण बीज, सिंचाई उर्वरक के रूप में इनपुट ज्यादा होता है, पर आउटपुट कम।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

खेती करने हेतु एक मुश्त राशि की आवश्यकता होती है, जिससे बीज, उर्वरक, सिंचाई साधन आदि की पूर्ति हो, अपर्याप्त ज्ञान, अशिक्षा व पर्याप्त कागजात न होने के कारण वे बैंक से सामान्यतया ऋण नहीं ले पाते और सूदखोरों की ऊँची ब्याज दर के शिकार बन जाते हैं।

जमींदारी, काश्तकारी सुधारों की असफलता के कारण किसान अपने मालिकों के शोषण का भी शिकार होते हैं, इसके साथ ही मानसून आधारित कृषि व अनियमित मानसून से खेती प्रभावित होती है।

2. खेती के दौरान अलनीनो, ला-नीना, बाढ़, सूखा, बादल जैसी अनियमितताएं फसल प्रभावित करती हैं, लगातार कीटनाशकों के प्रयोग से मृदा स्वास्थ्य खराब हो जाता है, जिससे खरपतवार, कम-उत्पादकता जैसी समस्या आती है।

3. खेती के उपरान्त यदि उत्पादन बहुत ज्यादा हो जाता है तो फसल के मूल्य बहुत ही कम हो जाते हैं, जिसमें किसान को खेती करने, मण्डी से जाने तक का खर्च नहीं निकल पाता। और यदि उत्पाद की दर ज्यादा, भोग ज्यादा होती है तो

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

लाभ बिचौलिए ले जाते हैं, पर्याप्त गोदाम व प्रसंस्करण सुविधा न होने के कारण सीमित दिनों में ही फसल बेचनी होती जिससे किसान की मोलभाव क्षमता (बारगेनिंग कैपासिटी) गिर जाती है।

उपरोक्त समस्याओं का ध्यान में रखते हुए भारत सरकार की योजनाओं का केन्द्र बिंदु इच्छा 'किसान समस्या समाधान' रहता है। आजादी के बाद से ही जमींदारी व्यवस्था उन्मूलन, काश्तकारी सुधार, चकबंदी, हदबंदी, भू-दान आन्दोलन, सहकारी खेती, सब्सिडी कार्यक्रम, ऋण माफी, उर्वरक वितरण आदि के माध्यम से समाधान करने का प्रयास रहा है। वर्तमान सरकार द्वारा प्रतिबद्धता दिखाते हुए 2022 तक किसानों की आय दोगुना करने का लक्ष्य रखा गया है।

सरकार द्वारा समय-समय पर न्यूनतम समर्थन मूल्य जारी किया जाता है, जिससे न्यूनतम कीमत प्राप्त हो सके। सिंचाई हेतु मुफ्त बिजली प्रदान की जा रही है, नीम कोटेड यूरिया का इस्तेमाल किया जा रहा है, जिससे कि यूरिया की कालाबाजारी

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

कम हो सके व ज़मीन की उर्वरता प्रभावित न हो।

अतिमहत्वाकांक्षी प्रयास के रूप में सरकार द्वारा एग्रीकल्चर प्रोड्यूस मार्केटिंग कमीशन अधिनियम में सुधार कर नेशनल एग्रीकल्चर मार्केट (ग्रामीण कृषि बाजार) स्थापित करने की पहल की गयी है। जिसके तहत देश की लगभग 585 मंडियों को डिजिटलाइजेशन के माध्यम से आपस में जोड़ा जाएगा, और किसान अपने क्षेत्र से ही पूरे भारत में कहीं भी सर्वोच्च कीमत पर अपनी फसल बेच सकता है। उसे बिचौलिए का शिकार भी नहीं होना पड़ेगा।

इसके साथ ही प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, प्रधानमंत्री कृषि बीमा योजना, सस्ती दर पर ऋण मुहैया कराना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, जैसी योजनाएं शुरू की गयी हैं, जिससे कृषक अपनी मृदा स्वास्थ्य को जानकर उसी अनुसार उर्वरक का इस्तेमाल करे, फसल का चुनाव करे। पर्याप्त मात्रा में सिंचाई कर सके और आपदा जैसी स्थिति में बीमा सुरक्षा ही प्रदान होगी।

भारत सरकार द्वारा हेल्पलाइन जारी किया गया है, जिसमें किसान फोन कर मौसम

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

की जानकारी, खेती संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी प्राप्त कर सकता है। सूचना प्रौद्योगिकी व मोबाइल तकनीकि की मदद से हर समय-समय पर मौसम संबंधी जानकारी किसान को प्रदान की जाती है

सरकार के इतने दूरदर्शी, महत्वाकांक्षी प्रयासो को देखकर लगता है कि शायद किसानों के लिए अब दुःख के बादल छटने वाले हैं, परेशानियां दूर होने वाली हैं — परन्तु सिक्के का दूसरा पहलू देखें तो नेशनल सैंपल सर्वे आर्गनाइजेशन द्वारा हाल में कराए गए सर्वेक्षण से ज्ञात होता है — 40% किसान खेती करना ही नही चाहते, वे दूसरे रोजगार की तलाश मे हैं। युवा पीढ़ि का कृषि की ओर कोई भी आकर्षण नही है...... यह एक द्वन्द्वात्मक स्थिति उत्पन्न करता है। इसके दो कारण हो सकते हैं -

- इन योजनाओं का लाभ किसानों तक पहुंच नही रहा है
- या अभी ये प्रयास अपर्याप्त हैं, और सुधारों की आवश्यकता है।

वस्तुतः योजना कितनी भी अच्छी क्यों न हो, उसकी सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि कितने कुशलता पूर्वक उसे लागू किया

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

गया है।

सर्वेक्षण में पाया गया है कि 50% किसानों को पहीं नहीं पता 'न्यूनतम समर्थन मूल्य' होता क्या है। अशिक्षित होने के कारण वे सरकारी योजनाओं, सब्सिडी के बारे में जान ही नहीं पाते और कहीं से पता भी चल जाता है तो वे बिचौलियों का शिकार हो जाते हैं।

इसका कारण नीति निर्माण स्तर पर देखें तो नीति निर्माण में किसानों की कोई सहभागिता नहीं होती जिससे मांग व पूर्ति में असामंजस्य आता है। अतः

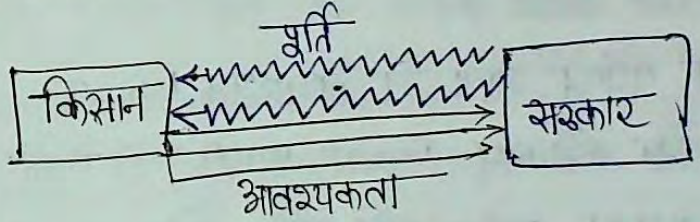

इन समस्याओं का तार्किक समाधान करने की आवश्यकता है-

सर्वप्रथम आवश्यकता है भूमि सुधार की (होरी जोत आकार) इस हेतु सहकारी कृषि को बढ़ावा दिया जाए, कृषि में कान्ट्रैक्ट फार्मिंग को अनुमति दें अर्थात् कृषि को उद्यमिता के रूप में देखा जाना चाहिए। बड़े-बड़े निजी क्षेत्र के उद्यमी पूंजी, संसाधन, तकनीकि, वेयर हाउस, प्रसंस्करण के माध्यम से उपज

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

की मात्रा, गुणवत्ता व मूल्य में बढ़ोतरी करेंगे जिसका लाभ किसान व सरकार दोनों को होगा। इस परिप्रेक्ष्य में चीन, इण्डोनेशिया के उदाहरणों से सीख ली जा सकती है।

कृषि क्षेत्र में पर्याप्त अनुसंधान को प्रेरित किया जाए जिससे ऐसे बीजों का निर्माण हो जो जलवायु परिवर्तन, सूखा, बाढ़ आदि से प्रभावित न हो।

सरकारी योजनाओं के बारे में किसानों में पर्याप्त रूप से जागरूकता अभियान चलाया जाए, इस हेतु ग्रामीण शिक्षित युवा, स्वयं सहायता समूह, गैर सरकारी संगठनों की मदद ली जा सकती है।

गांवों में पर्याप्त मात्रा में आधारभूत डिजिटल अवसंरचना, इंटरनेट कनेक्शन, बिजली आपूर्ति हो जिससे प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण, राष्ट्रीय कृषि मण्डी जैसे प्रयास वास्तविक धरातल पर आ सकें।

ऋण माफी जैसे प्रयास मात्र तात्कालिक राहत दे सकते हैं, दीर्घकालिक व स्थायी नहीं। इस क्षेत्र में ऐसी समुचित रणनीति बनाने की आवश्यकता है जिससे किसानों को ऋण, सब्सिडी की आवश्यकता ही न पड़े।

विषयवस्तु को थोड़ा और समावेशी बनाने की आवश्यकता है।

6.5

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

किसान भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। इस क्षेत्र में सन्तुलन करके ही देश की अर्थव्यवस्था में सन्तुलन प्राप्त किया जा सकता है। भारत सरकार सदैव से ही इस दिशा में प्रयासरत रही है। सरकार द्वारा ~~किसान~~ कृषि मंत्रालय का नाम परिवर्तित कर कृषि व किसान कल्याण मंत्रालय करना सरकार के विजन को ~~प्रत्यक्ष~~ प्रदर्शित करता है। उपरोक्त मार्ग में जटिलताएं व समस्याएं हो अवश्य हैं, परन्तु जिस तत्परता, सक्रियता के साथ सरकार प्रयासरत है, निःसन्देह हम अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल होंगे। इससे हम अपने संवैधानिक लक्ष्यों की प्राप्ति कर सकेंगे, साथ ही पूरे देश का राष्ट्रीय हित किसान हित के साथ सार्थक हो सकेगा।

२०२२ तक किसान भाई देश का पेट भरने में सक्षम होंगे और कृषि किसानों की जेब भरने में सार्थक हो सकेगी।

भाषा को और प्रभावशाली बनाए जाने की जरूरत है।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation